Syllabus and **Semester** *Course Scheme*
Academic year 2024-25

B.A. – Sanskrit

Exam.-2025

UNIVERSITY OF KOTA

MBS Marg, Swami Vivekanand Nagar,
Kota - 324 005, Rajasthan, India
Website: uok.ac.in

BACHELOR OF ARTS
SUBJECT - SANSKRIT
SCHEME OF SEMESTER EXAMINATION, 2024-2025
Course Code : SAN 5117 T

Credits : **06** Period per week- **06**

Each Theory Paper 3 hrs. duration 100 Marks

Internal Assessment 50 Marks

Total= 150

Continuous Assessment Weightage					**External Assessment Weightage**	**Total Marks (Total Credit)**
Regular Students		**Private Students**		**Total**	Paper Based External Evaluation (End Tarm Examination)	
Mid-Term	Seminar/Project Report/Presentation	Report Writing	Viva-voce			
30	20	30	20	**50**	100	**150 (06)**

Semester Programme Structure

Year/ Semester	**Serial Number, Code & Nomenclature of Paper**			**Duration of Exam**	**Teaching Hrs/ Week & Credit**			**Distribution of Marks**			**Min. Pass Marks**	
	Number	Paper/ Code	Nomenclature		L	P	C	Internal Assess.	Sem. Assess.	Total Marks	Internal Assess.	Sem. Assess.
I Year/ I Semester	1.1	Paper-I SAN 101	**पद्य, कथासाहित्य, व्याकरण एवं अलंकार**	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ II Semester	1.2	Paper-II SAN 102	**नाटक, काव्य, भारतीय संस्कृति के तत्त्व एवं व्याकरण**	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
	1.7& 1.8	Hin107/108 Eng107/108	Hindi/English	1.5Hrs	2		2		50	50		20
II Year/ IIISemester	2.1	Paper-I SAN 201	**नाटक, छन्द, संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं व्याकरण**	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
II Year/ IVSemester	2.2	Paper-II SAN 202	**वैदिक साहित्य, गद्य साहित्य एवं व्याकरण**	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
	2.7& 2.8	Com207/208 Env207/208	Computer Application/ Environmental Science	1.5 Hrs	2		2		50	50		20

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)

विद्यार्थियों के सम्पूर्ण विकास को ध्यान में रखते हुए संस्कृत विशय का पाठ्यक्रम प्रारूप निर्मित किया गया है। संस्कृत भाषा की परिशुद्धि एवं परिमार्जन का ज्ञान करवाना तथा उसके शास्वत सिद्धान्तों में कर्तव्य निष्ठा, लोकादर्श, चरित्र निर्माण, समता, राश्ट्रीयता, अन्ताराश्ट्रीय ज्ञान विज्ञान, प्रकृति पर्यावरण संरक्षण आदि विविध विषयों के माध्यम से मानव समाज का उपकार करना मुख्य ध्येय रखा है।

बी.ए. सेमेस्टर प्रथम
संस्कृत साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र– पद्य, कथा साहित्य, व्याकरण एवं अलंकार
Paper Code **: SAN 101**

समयः 3 घण्टे
पूर्णांक–100

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जायेगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाईयों में विभाजित होगा –

1. इकाई प्रथम – रघुवंशम् 'त्रयोदश सर्ग'
2. इकाई द्वितीय – हितोपदेश (मित्रलाभ)
3. इकाइ तृतीय – लघु सिद्धान्त कौमुदी – संज्ञा एवं सन्धि प्रकरणम् (4×2=8+4×2=8) =16 अंक
4. इकाई चतुर्थ – अलंकार – काव्य दीपिका (अष्टमशिखा–भेदोपभेदरहित निम्नांकित अलंकार): अनुप्रास, यमक, श्लेष, स्वभावोक्ति, रूपक, उपमा, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रान्तिमान्, व्यतिरेक, अर्थान्तरन्यास, अतिशयोक्ति, विभावना, विशेषोक्ति, दृष्टान्त एवं समासोक्ति।
5. इकाई पंचम – पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्र" न (रघुवंशम एवं हितोपदेश)

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक पद्य की व्याख्या संस्कृत माध्यम (**8 अंक**) और एक पद्य की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी माध्यम से (8+8=**16 अंक**) पूछी जाएगी। इकाई द्वितीय से एक पद्य और एक गद्य की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी (8+8=16 अंक)। इकाई तृतीय के दो भाग (अ) चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या (4×2=8) और (ब) चार पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि (4×2=8)। इकाई चतुर्थ से दो अलंकारों क लक्षण एवं उदाहरण संस्कृत में देते हुए हिन्दी में स्पष्टीकरण देना है। इकाई पंचम से पाठ्यक्रम सम्बन्धित एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी प्रष्टव्य है।

आन्तरिक मूल्यांकन – भौक्षणिक अ" ा **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विशय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विशय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रंथ

1. रघुवंशमहाकाव्यम् (त्रयोद" ा सर्ग) – डॉ. श्रीकान्त पाण्डेय, साहित्य भण्डार, मेरठ
2. रघुवंशम् (मल्लिनाथ टीकासहित) – गापाल रघुनाथ – मोतीलाल
3. रघुवंशम् महाकाव्यम – संस्कृत–हिन्दी व्याख्या सहित डा. जगन्नारायण पाण्डेय
4. रघुवंशम् (त्रयोद" ा सर्ग) – कालिदास – डॉ. बाबूराम त्रिपाठी

5. रघुवंशमहाकाव्यम् (त्रयोद" ाःसर्गः) – कालिदास – डॉ. रूपनारायण त्रिपाठी–आदर्श प्रका" ान जयपुर
6. हितापदेश (मित्रलाभ) – हिन्दी अनुवाद – रामेश्वर भट्ट
7. हितोपदेश (मित्रलाभ) – डॉ. यशवन्त कुमार जोशी
8. हितोपदेश (मित्रलाभ) – डॉ. सुभाष तनेजा वेदालंकार
9. हितोपदेश (मित्रलाभ) – डॉ. बाबूराम त्रिपाठी
10. हितोपदेश (मित्रलाभ) :– डॉ. रामदेव साहू –" याम प्रकाशन, जयपुर
11. हितोपदेश (मित्रलाभ) – डॉ. रूपनारायण त्रिपाठी – आदर्श प्रकाशन जयपुर
12. लघु सिद्धान्त कौमुदी (संज्ञा एवं संन्धि प्रकरण) डॉ. पुश्कर दत्त शर्मा, अजमेरा बुक कम्पनी जयपुर
13. लघु सिद्धान्तकौमुदी (प्रथम वर्श) डॉ. विश्वनाथ शर्मा – आदर्श प्रकाशन जयपुर
14. लघु सिद्धान्तकौमुदी (प्रथम वर्श) डॉ. श्रीकृश्ण ओझा
15. लघु सिद्धान्तकौमुदी 'भैमी' व्याख्या– पं. भीमसेन शास्त्री (प्रथम भाग)
16. काव्य दीपिका (अष्टम शिखा) – कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य
17. काव्य दीपिका (अष्टम शिखा) – डॉ. रामनारायण झा
18. काव्य दीपिका (अष्टम शिखा) – डॉ. यशवन्त कुमार जोशी
19. सद्वृत्तालंकार – डॉ. हिन्द केसरी, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

बी.ए. सेमेस्टर द्वितीय
संस्कृत साहित्य
द्वितीय प्रश्न पत्र – नाटक, काव्य, भारतीय संस्कृति के तत्त्व एवं व्याकरण
Paper Code : SAN 102

समयः 3 घण्टे **पूर्णांक–100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जायेगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाईयों में विभाजित होगा –

1. इकाई प्रथम – स्वप्नवासवदत्तम् (भासकृत)'
2. इकाई द्वितीय– कुमारसंभवम् 'पंचम सर्ग
3. इकाई तृतीय – भारतीय संस्कृति के तत्त्व – पृष्ठभूमि, विशेषताएँ, वर्णाश्रम व्यवस्था, षोड़श संस्कार, पंच महायज्ञ,त्रिविध ऋण, प्राचीन भारत के प्रमुख शिक्षा केन्द्र, भारतीय संस्कृति का मानव कल्याण में योगदान।
4. इकाई चतुर्थ – लघु सिद्धान्त कौमुदी – अजन्त प्रकरणम
   (राम, हरि, लता, सर्व, ज्ञान तथा वारि शब्दों की रूपसिद्धि)
5. इकाई पंचम– पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्र" न (कुमारसंभवम्, स्वप्नवासवदत्तम् एवं भारतीय संस्कृति के तत्त्व)

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक पद्य की व्याख्या संस्कृत माध्यम (**8 अंक**) और एक पद्य की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी माध्यम से (8+8=**16 अंक**) पूछी जाएगी। इकाई द्वितीय से दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी (8+8=16 अंक)। इकाई तृतीय से एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी प्रष्टव्य है। इकाई चतुर्थ के दो भाग (अ) तीन सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या (3×2=6) और (ब) चार पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि (4×2.5=10)। इकाई पंचम से पाठ्यक्रम सम्बन्धित एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी प्रष्टव्य है।

आन्तरिक मूल्यांकन – भौक्षणिक अ" ा **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–

विशय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**

विशय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ –

1. स्वप्नवासवदत्तम् (संस्कृत हिन्दी व्याख्या) – जगन्नारायण पाण्डेय
2. स्वप्नवासवदत्तम् – डॉ. विश्वनाथ शर्मा
3. स्वप्नवासवदत्तम् – डॉ. यषवन्त कुमार जोशी
4. स्वप्नवासवदत्तम् – डॉ. मुरारी लाल अगवाल– साहित्य सरोवर प्रका" ान, आगरा
5. भारतीय संस्कृति – प. शिवदत्त ज्ञानी।
6. भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्व – डॉ. श्रीकृष्ण ओझा– आदर्श प्रका" ान, जयपुर
7. भारतीय संस्कृति – डॉ. प्रीति प्रभा गोयल।
8. प्राचीन भारतीय संस्कृति के तत्व – डॉ. यशवन्त कुमार जोशी
9. लघ सिद्धान्त कामुदी (सन्धि एवं अजन्त प्रकरण)– डॉ. पुश्कर दत्त शर्मा, अजमेरा बुक कम्पनी जयपुर
10. लघु सिद्धान्तकौमुदी 'भैमी' व्याख्या– पं. भीमसेन शास्त्री (प्रथम भाग)
11. लघु सिद्धान्तकौमुदी (प्रथम वर्श) डॉ. विश्वनाथ शर्मा – आदर्श प्रकाशन जयपुर

--

बी.ए. सेमेस्टर तृतोय
संस्कृत साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र– नाटक, छन्द, संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं व्याकरण
Paper **Code : SAN 201**

समयः 3 घण्टे **पूर्णांक–100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जायेगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा –

1. इकाई प्रथम– अभिज्ञानशाकुन्तलम् (एक से चार अंक)
2. इकाई द्वितीय– अभिज्ञानशाकुन्तलम् (पांच से सात अंक)
3. इकाई तृतीय– छन्द प्रकरणम् (अभिज्ञानशाकुन्तलम् में प्रयुक्त समस्त छन्द)
4. इकाई चतुर्थ– संस्कृत साहित्य का इतिहास (वीरकाव्य, महाकाव्य, गद्यकाव्य, नाटकसाहित्य, कथासाहित्य)

5. इकाई पंचम– व्याकरण– कारक प्रकरणम्

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक पद्य की व्याख्या संस्कृत माध्यम से और एक पद्य की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई द्वितीय से एक पद्य की सप्रसंग व्याख्या (8 अंक) और दो सूक्तियों की सप्रसंग व्याख्या (2×4=8)। इकाई तृतीय से दो छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण संस्कृत में देते हुए हिन्दी में स्पष्टीकरण देना है, उदाहरण अभिज्ञान शाकुन्तलम् के ही मान्य होंगे (8+8=16 अंक)। इकाई चतुर्थ से एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी प्रष्टव्य है। इकाई पंचम से चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या (4×2=8) और चार वाक्यों के रेखाकिंत पदों में प्रयुक्त विभक्ति का नामोल्लेख एवं विधायक सूत्र लेखन (4×2=8)।

आन्तरिक मूल्यांकन – भौक्षणिक अ" । **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विशय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विशय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ – अथवा एक सामान्य प्रश्न

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – व्याख्याकार डॉ. निरूपण विद्यालड्.कार, साहित्य भण्डार, मेरठ।
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – व्याख्याकार डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – व्याख्याकार डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी
4. छन्दः प्रकाश – पं. शिवदत्त मिश्र
5. छन्दः प्रवेशिका – (प्रभा हिन्दीटीकोपेता) नई दिल्ली।
6. छन्दोमंजरी – सं. डॉ. बाबूराम त्रिपाठी
7. संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला।
8. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. बलदेव उपाध्याय।
9. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. बाबूराम त्रिपाठी।
10. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. विश्वनाथ शर्मा।
11. लघु सिद्धान्त कौमुदी – पं. भीमसेन शास्त्री
12. लघु सिद्धान्त कौमुदी – श्रीधरानंद शास्त्री
13. सिद्धान्त कौमुदो कारक प्रकरण – श्री मोहन वल्लभ पन्त
14. सिद्धान्त कौमुदी कारक प्रकरण – श्री अर्कनाथ चौधरी

बी.ए. सेमेस्टर चतुर्थ
संस्कृत साहित्य
द्वितीय प्रश्न पत्र – वैदिक साहित्य, गद्य साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण
Paper **Code : SAN 202**

समयः 3 घण्टे **पूर्णांक–100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जायेगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा –

1. इकाई प्रथम– वैदिक साहित्य (ऋग्वैदिक सूक्त) 1. अग्नि (1.1) 2. वरुण (1.25) 3. विष्णु (1.154) 4. इन्द्र (2.12) 6. पुरूष (10.90) 7. संज्ञान (10.191)।
2. इकाई द्वितीय– उपनिशद् (ईशावास्योपनिषद्)
3. इकाई तृतीय– गद्य साहित्य (शुकनासोपदेश)
4. इकाई चतुर्थ– अनुवाद (संस्कृत से हिन्दी एवं हिन्दी से संस्कृत)।
5. इकाई पंचम– लघु सिद्धान्त कौमुदी (हलन्त प्रकरण)– 1. लिह् 2. विश्ववाह 3. चतुर् (तीनों लिंगो में) 4. इदम् (तीनों लिंगों में) 5. राजन् 6. युष्मद् 7. अस्मद् 8. विद्वस्।

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक मंत्र की व्याख्या संस्कृत माध्यम और एक मंत्र की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी माध्यम से (8+8=**16 अंक**) पूछी जाएगी। इकाई द्वितीय से दो मंत्रों की सप्रसंग व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई तृतीय से दो गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई चतुर्थ के दो भाग (अ) चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या (4×2=8) और (ब) चार पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि (4×2=8)।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विशय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विशय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ –

1. ऋग्भाष्य संग्रह – डॉ. देवराज चानना
2. ऋक् सूक्त संग्रह – डॉ. हरि दत्त शास्त्री
3. वैदिक सूक्त मुक्तावली –डा. सुधीर कुमार गुप्त एवं डॉ. युगल किशोर मिश्र
4. वैदिक साहित्य व संस्कृति – पं. बलदेव उपाध्याय
5. ईशावास्योपनिषद् – गीता प्रेस, गोरखपुर
6. ईशावास्यापनिषद् – तारिणीश झा
7. शुकनासोपदेश (कादम्बरी से) – डॉ. सुभाष वेदालङ्कार एवं श्री शास्त्री
8. शुकनासोपदेश (कादम्बरी से) – श्रीमती सुदेश नारंग
9. शुकनासोपदेश (कादम्बरी से) – डॉ. यचवंत कुमार जोची
10. लघु सिद्धान्त कौमुदी – पं. भीमसेन शास्त्री
11. लघु सिद्धान्त कौमुदी – श्रीधरानंद शास्त्री